newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २३ | अंक - ९ | १८ से २४ मार्च २०२४ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

बढती आबादी को देखते हुए काशीगांव पुलिस स्टेशन का शुभारंभ

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्त के अंतर्गत नवनिर्मित काशीगांव पुलिस स्टेशन का उद्घाटन समारोह और जिला योजना समिति पालघर के फंड से प्राप्त सरकारी वाहनों का उद्घाटन समारोह गुरुवार को संपन्न हुआ। स्थानीय लोकसभा सांसद राजन विचारे ने पुलिस आयुक्त मधुकर पाण्डेय और नवनियुक्त प्रभारी

पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटील को बधाई दी। बता दें कि १ अक्टूबर २०२० को एमबीवीवी पुलिस आयुक्तालय को स्थापित किया गया, जिसका उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने किया था। उसके बाद से ही आयुक्तालय अंतर्गत कई पुलिस स्टेशन प्रस्तावित थे, उसमें से एक काशीगांव पुलिस स्टेशन भी था। सांसद विचारे ने कहा कि क्षेत्र की आबादी को देखते हुए यहां पुलिस स्टेशन की आवश्यकता थी, जिसकी मांग लोगों के द्वारा की जा रही थी। गुरुवार को उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा ऑनलाइन काशीगांव पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया गया।

देश में लोकसभा चुनाव की गुंज, ४ जून को निकलेंगे परिणाम

मुंबई : चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि १९ अप्रैल से सात चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे। वोटों की गिनती ४ जून को होगी। लोकसभा चुनावों के साथ २६ विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव भी है। होंगे। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। इसके साथ ही आयोग बताया कि अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम में विधानसभा चुनाव १९ अप्रैल और आंध्र प्रदेश में विधानसभा चुनाव १३ मई को होंगे। इसके अलावा ओडिशा विधानसभा के चुनाव चार चरणों में १३ मई, २० मई, २५ मई और एक जून को होंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने दो नए चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ संवाददाता सम्मेलन में बताया कि बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में सभी सात चरणों में मतदान होगा। लोकसभा का कार्यक्रम पहला चरण: १९ अप्रैल को २१ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की १०२ सीट पर मतदान होगा। दूसरे चरण: २६ अप्रैल को १३ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की ८९ सीट पर मतदान होगा।

तीसरा चरण: सात मई को १२ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के ९४ निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा।

चौथा चरण: १३ मई को १० राज्यों के ९६ निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा।

पांचवां चरण: २० मई को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ४९ सीट पर मतदान होगा।

छठा चरण: २५ मई को सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ५७ सीट पर मतदान होगा।

सातवां चरण: एक जून को आठ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की ५७ सीट पर मतदान होगा।

१३ राज्यों में २६ सीटों पर उपचुनाव भी होंगे राजीव कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव के साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाण और गुजरात समेत १३ राज्यों में विधानसभा की २६ सीटों के लिए भी मतदान कराए जाएंगे। संबंधित राज्यों में लोकसभा चुनाव की तिथियों के दिन ही उपचुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। इनमे हिमाचल में सबसे अधिक छह, गुजरात में पांच और उत्तर प्रदेश में चार सीटें हैं।

चुनाव के पहले आयुक्तों की नियुक्ति

देश में आम चुनाव में अब ज्यादा वक्त नहीं रह गए हैं। ऐसे में चुनाव आयोग को पूरी तरह तैयार करने की अनिवार्यता को समझा जा सकता है। मगर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति जिस तरह एक औपचारिक रिवायत की तरह पूरी भर कर ली जाती है, उसमें इस संस्था को लेकर कई बार नाहक एक भ्रम पैदा हो जाता है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित समिति ने दो नए चुनाव आयुक्तों के नाम तय कर दिए हैं। इसके तहत ज्ञानेश कुमार और बलविंदर संधू नए चुनाव आयुक्त होंगे। गौरतलब है कि एक चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे फरवरी में सेवानिवृत्त हो गए थे और दूसरे अरुण गोयल ने हाल ही में अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नियमों के मुताबिक चुनाव आयोग में एक मुख्य चुनाव आयुक्त के अलावा दो चुनाव आयुक्त होते हैं। कहा जा सकता है कि नए कानून के तहत ये पहली नियुक्तियां होंगी। इससे पहले सरकार की सिफारिश के मुताबिक चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति होती थी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिहाज से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक जरूरी कदम है। मगर इस क्रम में पिछले कुछ समय से जिस तरह के विवाद उठते रहे हैं, उससे देश की इस सबसे भरोसेमंद मानी जाने वाली संस्था की कार्यप्रणाली को लेकर कुछ आशंकाएं उभरी हैं। इस बार भी दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सवाल उठाए और आरोप लगाया कि सिर्फ एक रात पहले उन्हें दो सौ बारह नामों की सूची दी गई। फिर इससे संबंधित बैठक शुरू होने के महज दस मिनट पहले सरकार की ओर से उनके पास छह नाम भेजे गए; इतने कम समय में सूचीबद्ध किए गए लोगों की ईमानदारी और तजुर्बे की जांच करना असंभव है। उन्होंने इस प्रक्रिया का विरोध करते हुए समिति में प्रधान न्यायाधीश को भी रखने की बात कही। अगर विपक्ष के नेता का आरोप सही है तो इसका मतलब यह है कि सरकार की ओर से शायद चुने गए नामों को लेकर आखिरी समय तक भ्रम की स्थिति बनाए रखने की कोशिश हुई। सवाल है कि देश में लोकतंत्र को जमीन पर उतारने का बड़ा दायित्व संभालने वाली जिस संस्था का गठन पूरी तरह पारदर्शी होना चाहिए, उसे लेकर किसी भी स्तर पर पर्दादारी क्यों बरती जाती है! चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर पहले भी सरकार की मंशा पर सवाल उठे हैं। जरूरत इस बात की है कि आयुक्तों के नामों को सूचीबद्ध करने, उनके चयन से लेकर नियुक्ति तक के मामले में समूची प्रक्रिया सरकार पारदर्शी तरीके से पूरी कराए। अगर किसी भी पक्ष की ओर से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मसले पर वाजिब तर्कों के साथ सवाल उठाए जाते हैं, तो इससे आयोग की विश्वसनीयता कमजोर होगी। यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि आम जनता और मतदाताओं के बीच आयोग के सदस्यों के कामकाज को लेकर कोई भ्रम न पैदा हो। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता और उसकी कार्यपद्धति पर बहुत कुछ निर्भर करता है, जिससे देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का जीवन कायम रह सके।

समाजसेवा की आड में अवैध निर्माण करने वाला हिरेन पारेख

अल्केन एक्सपोर्ट प्राइव्हेट लिमिटेड नाम की फाटक रोड भाईंदर पूर्व की एक्सपोर्ट कंपनी के टेरेस पर अवैध बांधकाम करके अपने समाज सेवक इमेज का बखुबी फायदा उठाते है हिरेन पारेख। इस मामले मे बहुत सारी शिकायते प्रभाग ४ मे की गई है। आने वाले वक्त मे अल्केन कंपनी के अवैध बांधकाम पर भी तोडकर कर सकती है प्रभाग चा४ की सहाय्यक आयुक्त प्रियांका भोसले।

पार्टी के अवैध कार्यालयों पर कारवाई

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : भायंदर पूर्व के गोल्डन नेस्ट सर्कल के पास रखे गए शिवसेना (शिंदे) के कंटेनर शाखा को शनिवार को मनपा ने कार्रवाई करते हुए वहां से हटा दिया है. हालांकि इससे पूर्व ११ मार्च को प्रभाग ४ की सहायक आयुक्त तथा प्रभाग अधिकारी प्रियंका भोसले ने उक्त स्थान से कंटेनर शाखा को हटाने के लिए नोटिस भी जारी की थी. जिसमें कहा गया था कि मनपा के प्रभाग समिति ४ अंतर्गत गोल्डन नेस्ट सर्कल के पास पादचारी (फुटपाथ) सडक़ पर १४ ट ८ फुट माप की लोहे के कंटेनर के रूप में शिवसेना पार्टी का कार्यालय शुरू की गई है. इस नोटिस के प्राप्त होते ही उक्त स्थान से कंटेनर तत्काल हटा लें, अन्यथा उसे मनपा द्वारा हटा दी जाएगी, और इस कार्य में लगने वाला खर्च कर के रूप में वसूल की जाएगी. दरअसल कंटेनर शाखा वहां से हटाने की मांग भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता ने मनपा से की थी. शिवसेना विधायक सरनाईक ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा था कि मनपा द्वारा किए गए सर्वे में कई राजनीतिक दलों के कार्यालय अवैध पाए गए थे, अगर उन सब पर भी कारवाई होगी तो शिवसेना भी कंटेनर शाखा हटा लेगी. आज गोल्डन नेस्ट सर्कल के पास मनपा द्वारा कार्रवाई किए जाने के बाद सरनाईक और मेहता में जारी शीतयुद्ध के और गहराने के संकेत हैं

काशिमीरा पुलिस की बडी कामयाबी

मीरारोड : काशीमीरी पुलिस ने उल्लेखनीय काम किया है। काशीमीरा पुलिस ने लापता नागरिकों के १०२ फोन जब्त किए और उन्हें शिकायतकर्ताओं को लौटा दिया। पिछले छह माह से पुलिस ने इन मोबाइल फोनों को शिकायतकर्ताओं तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। शिकायतकर्ता ने फोन वापस करते हुए पुलिस कर्मियों को धन्यवाद दिया। मीरा भायंदर शहर में मोबाइल फोन खोने की घटनाओं में भारी बढोतरी हुई है। मोबाइल फोन हर इंसान की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। फोन खो जाने पर व्यक्ति फोन ढूंढने की जी तोड.कोशिश करता है। क्योंकि, मोबाइल फोन में उनकी निजी जानकारी, बैंक खाते की जानकारी समेत अन्य जरूरी चीजें शामिल होती हैं। इसलिए मोबाइल फोन एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। इसी मोबाइल फोन के खो जाने से

नागरिक भ्रमित हो जाते हैं। इसके बाद वह तुरंत पुलिस के पास मोबाइल फोन खोने की रिपोर्ट करने पहुंचता है। थाने या ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के बाद ज्यादातर फरियादियों को मोबाइल मिलने की कोई उम्मीद नहीं रहती। दरअसल, पुलिस के लिए मोबाइल फोन ढूंढना एक चुनौती है. बिहार, झारखंड, नेपाल से चोरी हुए मोबाइल फोन सीधे मिलना संभव नहीं है. इसलिए, पुलिस को तकनीकी रूप से जांच करने और लापता फोन बरामद करने में बहुत कम सफलता मिली है। देखा गया है कि कई सामान्य जागरूक नागरिक भी अपने पास आए फोन को स्थानीय पुलिस थाने में जमा करा देते हैं। काशीमीरी अपराध जांच शाखा ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। क्राइम ब्रांच के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर योगेश काले और उनकी टीम ने एक या दो नहीं बल्कि पूरे १०२ फोन जब्त करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस उपायुक्त प्रकाश गायकवाड.ने भी इस प्रदर्शन की सराहना की. काशीमीरा पुलिस स्टेशन से गायब हुए १०२ फोन पुलिस ने शनिवार को शिकायतकर्ता को लौटा दिए हैं।

हत्या का आरोपी करीमुल्ला खान गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: भायंदर पूर्व के नवघर पुलिस स्टेशन की हद में एक फरार हत्या के आरोपी को पुलिस ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम करीमुल्ला खान है। प्राप्त जानकारी के अनुसार १० जनवरी २०२४ को मोहम्मद मुबारक अली शराब के नशे में घायल अवस्था में मिला. जिसको इलाज के लिए के.ई.एम. हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया! जहा एक दिन बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। जिस पर नवघर पुलिस ने अचानक मौत का

मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस को संदेह होने पर वरिष्ठों के आदेश पर पुलिस । हरकत में आ गई । जांच में पता चला की मोहम्मद मुबारक अली और उसके साथी करिमल्ला खान के बीच झगडा हो गया था और खान मौके से भाग गया ! उक्त अपराध की जांच में करीमल्ला खान पर संदेह होने पर नवधर पुलिस ने तकनीकी जांच की तो आरोपी चतुराई के साथ अपनी पहचान छिपाने बार बार जगह बदलता रहा अंत में पुलिस ने सुल्तानगंज, पश्चिम बंगाल से आरोपी करीमुल्ला को गिरफ्तार कर लिया।

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका प्रभाग समिती क्र. ६

मालमत्ता हस्तांतरण नोटीस

मिरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील प्रभाग क्र. ६ क्षेत्रातील वार्ड एम, मौजे काजुपाडा येथील **मालमत्ता क्रमांक एम०१००१८८९८०००/२९१** ही मालमत्ता महानगरपालिका **महादेव सुकूर तारवी** यांच्या नावावर दप्तरी नोंद आहे. मुलगा वारस या नात्यांने **सुरेश महादेव तारवी** यांनी महापालिकेकडे अर्ज दि.०५/०३/२०२४ रोजी सादर केला असून मालमत्ता यांच्या नावे करण्याबद्दल मागणी केली आहे. तरी मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ प्रकरण ८ मधील कलम १(२) नुसार नावात बदल करणेबाबत वृत्तपत्रात प्रसिद्धी देण्यात येत आहे.

सदर मिळकती बाबतचे वर्णण खालीलप्रमाणे आहे
पूर्व – गणेश महादेव तारवी यांचे घर
पश्चिम– प्रमोद शनीवार तारवी यांचे घर
दक्षिण – मधुकर बाब्या तारवी यांचे घर
उत्तर - विकेश मंगल तारवी यांचे घर

वरील मालमत्ता हस्तांतरणाबाबत कुणाचीही काही तक्रार व हरकत करावयाची झाल्यास १४ दिवसांच्या आत प्रभाग कार्यालय क्र. ०६ येथे कार्यालयीन वेळेत दाखल करावे. मुदतीनंतर आलेल्या तक्रारीचा विचार केला जाणार नाही.

नोटिस बजावणार

सही/-
प्रभाग अधिकारी
प्रभाग समिती कार्यालय क्र. ६
मिरा-भाईंदर महानगरपालिका

दिनांक : १८/०३/२०२४

आरोपी को बचाने में अधिकारियों का फर्जीवाडा

मुंबई : गृह विभाग के कुछ अधिकारी ही आरोपी के साथ मांडोली कर रहे हैं। इसका खुलासा आरटीआई के माध्यम से हुआ है। ड्रग्स तस्करी, फर्जीवाड़ा और महिलाओं से छेड़छाड़ जैसे गंभीर मामलों से जुड़े एक आरोपी को बचाने के लिए जांच अधिकारी आरोपी और उसके वकील के साथ होटल में मीटिंग करते पाए गए। इतना ही नहीं गिरफ्तारी से बचने के लिए जमानत के लिए व्हाट्सअप के माध्यम से कागजातों को उपलब्ध कराए जाने का खुलासा भी हुआ है। बता दें कि जनवरी २०२४ में राजस्थान के कोटा के रहने वाले आशीष बंसीलाल डागा को मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर भारी मात्रा मे ड्रग्स के साथ पकडा गया था। उस समय मुंबई सेंट्रल रेलवे स्टेशन के जांच अधिकारियों द्वारा आरोपी को २४ घंटे बाद कोर्ट में हाजिर किया गया, जहां कोर्ट ने आरोपी को जमानत दे दी। उस दौरान यह आशंका जताई गई कि ड्रग्स कारोबार से जुड़े आशीष डागा ने जांच अधिकारियों के साथ आर्थिक व्यवहार किया था, जो

उसकी जमानत में मददगार साबित हुई। मुंबई की रहने वाली सुनीता दमानी ने आरटीआई के माध्यम से आशीष डागा से जुड़ी जानकारी निकाली। दरअसल, आशीष डागा और उसके पिता ने फर्जी कागजात तैयार कर सुनीता के नाम से तीन बार लोन ले चुके थे। इसकी शिकायत सुनीता ने मलबार हिल पुलिस स्टेशन में पिछले वर्ष अगस्त महीने में दर्ज कराई थी, इसके बावजूद आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया था। इस मामले में तत्कालीन डीसीपी को जानकारी मिली थी कि जांच अधिकारी आरोपी के साथ मिला हुआ है। जिसके बाद कुछ अधिकारियों की एक टीम अचानक नाना चौक स्थित श्रीकृष्ण होटल पहुंचीं तो जांच अधिकारी आरोपी और उसके वकील के साथ पाया गया। जिसके बाद जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश तत्कालीन अप्पर पुलिस आयुक्त दिलीप सावंत ने दी थी। सूत्रों की मानें तो आरोपी आशीष डागा के खिलाफ एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन में भी छेड़छाड़ का मामला दर्ज है। उस समय शिकायत दर्ज कराने वाली लड़की के घर पर गुंडों को भेजकर शिकायात वापस लेने का दबाव डाला गया था।

CHANGE OF NAME

I have changed my name from MOHAMMED SABEER SHAIKH to SABIR ABDUL RAFIQUE SHAIKH

बोईसर-चिल्हार राजमार्ग बदहाल :नाराज लोगों ने सरकार को जमकर कोसा : प्रदर्शन कर एमआईडीसी अधिकारियों का किया श्राद्ध

पालघर : बोईसर-तारापुर औद्योगिक क्षेत्र को मुंबई-अमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़नेवाले बोईसर-चिल्हार राजमार्ग की दुर्व्यवस्था पर लोग भड़के हुए हैं और राज्य सरकार से सवाल पूछ रहे हैं कि और कितनी जान दुर्घटनाओं में जाने के बाद जगेगी सरकार। सरकार के लापरवाह अधिकारियों को जगाने के लिए लोगों ने २जनसामर्थ्य आदिवासी संगठन के नेतृत्व में एक दिवसीय प्रदर्शन कर, जिला प्रशासन और एमआईडीसी के अधिकारियों का श्राद्ध किया और लोगों को भोजन कराया। लोगों ने कहा कि करीब २३ साल से राजमार्ग का कार्य जारी है, जिसकी वजह से हर रोज इस मार्ग पर दुर्घटनाएं हो रही हैं। २०१७ से लेकर २०२३ तक ही इस मार्ग पर ७० सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिसमें ५० लोगों की मौत हो चुकी है और कई तो जिंदगी भर के लिए हाथ-पैर गवां चुके हैं। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे जनसामर्थ्य आदिवासी संगठन के प्रमुख महेश धोड़ी ने कहा कि बोईसर-चिल्हार मार्ग की अनदेखी और अधिकारियों की लापरवाही के खिलाफ पिछले साल भी अनशन किया गया था और प्रशासन से आश्वासन मिलने के बाद अनशन खत्म किया गया, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। महेश धोड़ी ने आरोप लगाया कि एमआईडीसी अधिकारियों की मिलीभगत से कंपनियों ने मार्जिन स्पेज पर भी अवैध कब्जा कर लिया, जिससे लोग लगातार हादसे का शिकार हो रहे हैं। धोडी ने कहा कि मांगें नहीं मानी गईं तो चक्का

जाम आंदोलन करेंगे। तारापुर परमाणु ऊर्जा घर, तारापुर एमआईडीसी के साथ-साथ बोईसर समेत कई गांवों को बोईसर-चिल्हार राजमार्ग जोड़ता है। राजमार्ग पर हजारों भारी वाहनों के साथ-साथ हल्के वाहन और कार सहित अन्य वाहन चौबीसों घंटे दौड़ते हैं, जिससे भारी ट्रैफिक रहता है। कई बाधाओं को पार कर इस राजमार्ग को फोर लेन बनाया गया है, लेकिन यह आधी-अधूरी फोर लाइन लोगों के जान की दुश्मन बन गई है। राजमार्ग की दुर्दशा के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हरवंश सिंह का कहना है कि इस राजमार्ग पर दो व चार लेन का ऐसा मिक्सप कर दिया गया है कि चालक समझने से पहले ही हादसे का शिकार हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस महत्वपूर्ण सड़क मार्ग को लेकर कोई जनप्रतिनिधि और संस्थाएं आवाज नहीं उठाती हैं, जिसकी वजह से एमआईडीसी प्रशासन भी गंभीर नहीं है।

२० साल बाद सुलझी मर्डर मिस्ट्री :पकड़ में आया कातिल!

मुंबई : सच ही कहा गया है कि कानून के हाथ लंबे होते हैं। कातिल कितना भी शातिर क्यों न हो पुलिस की गिरफ्त में आ ही जाता है। सांताक्रुज पुलिस ने रूपेश रामनाथ राय नामक हत्या के आरोपी को पकड़ा है, जो २० वर्ष तक पुलिस को छकाता रहा। रूपेश पर आरोप है कि उसने २० साल पहले सांताक्रुज के एक होटल में अपने साथ ठहरे दिल्ली के दीपक राठौड़ का कत्ल करने के बाद १ लाख ३० हजार रुपए लूटकर भाग गया था। जॉइंट कमिश्नर सत्य नारायण चौधरी ने बताया कि पुलिस को रूपेश के पास से जो आधार कार्ड मिला, उसमें उसका नाम अतुल विजय केडिया लिखा था। वह बिहार के मुजफ्फरपुर के तालुका औराई के भरथुआ गांव का मूल निवासी है। मुंबई पुलिस २० साल में १५ से २० बार उसके गांव गई, लेकिन वह कभी अपने गांव में नहीं मिला। डीसीपी कृष्णकांत उपाध्याय के अनुसार, पिछले महीने एपीआई तुषार कदम और पीएसआई शिवकुमार जाधव की टीम बिहार के भरथुआ गांव में कई दिन तक डेरा डाले रही। साथ ही बिहार गई जांच टीम ने मुंबई टीम से शेयर की। तत्काल सांताक्रुज पुलिस स्टेशन से इंस्पेक्टर संदीप विश्वासराव और अरुण घोडके सादी वर्दी में वहां जाकर सिर्फ इतना पूछा कि यहां अतुल विजय केडिया कौन है? जवाब में खुद केडिया का मुंह पुलिस की तरफ मुड़ गया। उसे तत्काल गिरफ्त में ले लिया गया। उसने पुलिस पूछताछ में मान लिया कि उसी ने दीपक राठौड़ का कत्ल किया था। उसका ओरिजिनल नाम रूपेश रामनाथ राय है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि रूपेश साल २००० में काम के सिलसिले में दिल्ली आया। काम नहीं मिला तो उसने पिस्टल खरीदी, लेकिन २००१ में दिल्ली पुलिस ने आर्म्स एक्ट में उसे गिरफ्तार कर लिया। कुछ महीने बाद वह जेल से बाहर आ गया। उसी दौरान रूपेश जहां टैक्सी ड्राइविंग सीख रहा था, वहीं दीपक राठौड़ ड्राइविंग सिखाने का काम दीपक राठौड़ करते थे। दीपक ने रूपेश को ड्राइविंग सिखाई। इसी बहाने दोनों की पहचान हो गई, लेकिन ड्राइविंग सीखने के बावजूद रूपेश ने दिल्ली में टैक्सी नहीं चलाई। उसने और दीपक ने बाद में मिलकर कपड़ों की पैकिंग का काम शुरू कर दिया, फिर गारमेंट्स का बिजनेस शुरू करने का पैंसला किया। ३१ मई २००३ को दीपक और रूपेश कपड़े खरीदने के लिए मुंबई आए। दीपक के पास १ लाख ३० हजार का वैंश था। दोनों ने सांताक्रुजज के होटल नेस्ट में कमरा नंबर १०८ बुक कराया। इसके बाद दोनों गिरगांव चौपाटी, जुहू चौपाटी, गेट वे ऑफ इंडिया और मुंबई में कई दूसरी जगहों पर घूमने गए। बाद में रूपेश होटल के कमरे से निकल गया, जबकि दीपक कमरे में ही रहे।

न तो कोई धंधा है और न कोई मुनाफा, फिर भी दे रही है चंदा

मुंबई : चुनाव आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित होने के बाद चुनावी बॉन्ड से जुड़ी कई सनसनीखेज जानकारियां बाहर आ रही हैं। इसके तहत कई ऐसी कंपनियों का पता चला है जिनका न तो कोई धंधा है और न ही वे मुनाफा कमा रही हैं। इसके बावजूद उन्होंने चुनावी बॉन्ड खरीदकर चंदा दिया है। माना जा रहा है कि इस गोरखधंधे में कई फर्जी कंपनियां लिप्त हैं। जब से सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद एसबीआई द्वारा दी गई जानकारी को चुनाव आयोग ने सार्वजनिक किया है, देश का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। इसके बाद केंद्र की भाजपा सरकार पर भ्रष्ठाचार के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। ऐसी कंपनियां भी हैं, जो ऐसे समय चंदा तो दे रही हैं जब कोई मकसद स्पष्ठ नहीं है और न तो उनके पास इतना पैसा है, लेकिन वो कहीं और से पैसा लाकर राजनीतिक दलों को गोपनीय तरीके से फंड दे जाती हैं. चुनावी बॉन्ड से जुड़ी कई जानकारियां बाहर आ रही हैं। इस बारे में रिपोर्टर्स कलेक्टिव ने इसका सनसनीखेज विश्लेषण किया है। वरिष्ट पत्रकार और रिपोर्टर्स कलेक्टिव के सदस्य नितिन सेठी कहते हैं, शुक्रवार को हुई सुनवाई में इसी पर बहस हुई कि एसबीआई और चुनाव आयोग ने जो जानकारियां दी हैं उसमें वो सीक्रेट नंबर नहीं हैं, जिससे पता चलता कि किसने, किसको पैसे दिए। गौरतलब है कि एसबीआई ने यूनिक नंबर के मिलान सहित जानकारी देने के लिए पहले ३० जून का समय मांगा था, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। नितिन सेठी कहते हैं कि अभी हमें बस अंदाजा लग पा रहा है कि किन कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदा और किन राजनीतिक दलों को दिया। अगर ये यूनिक नंबर आ जाए तो कोई भी पता कर सकता है कि इन कंपनियों ने किस राजनीतिक दल को चंदा दिया। कलेक्टिव रिपोर्टर्स ने चुनाव आयोग के डेटा का बारीकी से विश्लेषण किया है। नितिन सेठी कहते हैं, ३ऐसी कंपनियां हैं, जिनके यहां छापा पड़ा तो पार्टी फंड में पैसा दिया। ऐसी कंपनियां भी हैं, जिनका अपना कोई धंधा या मुनाफा नहीं है फिर वो भी पार्टियों को चंदा दिए जा रही हैं। ऐसे कई व्यक्ति हैं जो बड़ी कंपनियों से जुड़े हैं, लेकिन वो निजी तौर पर करोड़ों रुपए फंड दे रहे हैं। ऐसी कंपनियां भी हैं, जो ऐसे समय चंदा तो दे रही हैं जब कोई मकसद स्पष्ठ नहीं है और न तो उनके पास इतना पैसा है, लेकिन वो कहीं और से पैसा लाकर राजनीतिक दलों को गोपनीय तरीके से फंड दे जाती हैं। उदाहरण देते हुए वो कहते हैं कि दो कंपनियां ऐसी हैं जिन्होंने बड़े पैमाने पर इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। एक है फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, जिसे एक लॉटरी किंग के नाम से जाने जाने वाले सैंटियागो मार्टिन चलाते हैं। इसका कोई भी मुनाफा नहीं है। इसका दफ्तर भी नहीं मिलेगा, उसने हजार करोड़ रुपए से ज्यादा चंदा दिया। दूसरी है देश की जानी मानी कंपनी जिसने खुद सीधे चंदा नहीं दिया, बल्कि एक छोटी सी निजी मालिकाने वाली कंपनी के मार्फत राजनीतिक दलों को कई सौ करोड़ रुपए चंदा दिया। उस कंपनी का आम तौर पर नाम तक पता नहीं चलेगा और ना ही उसका कोई मुनाफा है। यह कंपनी हजारों करोड़ रुपए का कारोबार करती है लेकिन उसका कहना है कि उसे कोई मुनाफा नहीं होता। लेकिन वो फिर राजनीतिक दलों को कई सौ करोड़ रुपए का फंड दे देती है। ऐसे में स्पष्ठ है कि चुनावी बॉन्ड की आड़ में एक बड़ा घोटाला चल रहा है।

अभिषेक घोसालकर हत्याकांड : अमरेंद्र ने ही मॉरिस को दी थी रिवॉल्वर! : दोनों ने मिलकर खरीदी थीं गोलियां

मुंबई: अभिषेक घोसालकर हत्या मामले में एक सनसनीखेज खुलासा हुआ है। अभिषेक को गोली मारनेवाले मॉरिस नरोन्हा द्वारा रची गई साजिश की भनक उसके अंगरक्षक अमरेंद्र मिश्रा को पहले से ही थी। दोनों ने मिलकर रिवॉल्वर की गोलियां भी खरीदी थीं। प्रथम दृष्ट्या सबूतों के आधार पर स्पष्ठ था कि अमरेंद्र ने ही मॉरिस को रिवॉल्वर भी खरीद कर दिया होगा। इसकी गहनता से जांच की जानी जरूरी है। इस तरह की टिप्पणी करते हुए सत्र न्यायालय ने अमरेंद्र की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। शिवसेना के पूर्व नगरसेवक अभिषेक घोसालकर की गत आठ फरवरी को फेसबुक लाइव के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उन पर गोलीबारी करनेवाले मॉरिस के अंगरक्षक अमरेंद्र मिश्रा को अपराध अन्वेषण प्रकोष्ट ने दूसरे दिन नौ फरवरी को ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके बाद उसने सत्र न्यायालय में जमानत याचिका दायर की थी। उस पर अभिषेक की पत्नी तेजस्वी घोसालकर ने हस्तक्षेप करते हुए कड़ी आपत्ति दर्ज की थी। हत्या की साजिश से संबंधित सबूतों पर गंभीरता से विचार करते हुए सत्र न्यायालय राजेश ससाणे ने अमरेंद्र की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। यह पैंसला देते हुए कोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणियां भी दर्ज की हैं। प्रथम दृष्ठया साक्ष्य के अनुसार

मॉरिस नरोन्हा ने अभिषेक की रिवॉल्वर से गोली मारकर हत्या की और वह रिवॉल्वर अमरेंद्र के नाम पर है। अमरेंद्र के मुताबिक रिवॉल्वर रखने के लिए मॉरिस ने उसे एक लॉकर दिया था। अगर रिवॉल्वर उस लॉकर में रखी थी, तो लॉकर की चाबी अमरेंद्र के पास होनी चाहिए। मॉरिस पर लॉकर तोड़ने का आरोप नहीं है। इसलिए प्रथम दृष्ठया यह स्पष्ठ है कि अमरेंद्र ने ही उसे रिवॉल्वर दी थी। उत्तर प्रदेश के रहनेवाले अमरेंद्र को हाल ही में मॉरिस ने बॉडीगार्ड के तौर पर काम पर रखा था। मॉरिस ने अभिषेक घोसालकर को अपने कार्यालय में बुलाया था। इसके अलावा मॉरिस का अंगरक्षक होने पर भी रिवॉल्वर उसके पास नहीं थी, ये सभी बातें अमरेंद्र को पता थीं। अमरेंद्र पर लगे सभी आरोप प्रथम दृष्ठया सत्य प्रतीत हो रहे हैं। क्या अमरेंद्र अभिषेक घोसालकर की हत्या के लिए मॉरिस को रिवॉल्वर की आपूर्ति कर हत्या की साजिश में शामिल था? इसकी जांच होनी चाहिए। उपलब्ध साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए गहन जांच के लिए पुलिस को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। साथ ही अमरेंद्र ही एकमात्र व्यक्ति है, जो हत्या की साजिश के पीछे की पूरी स्थिति का खुलासा कर सकता है। इसलिए इस स्तर पर उसे जमानत पर जेल से रिहा नहीं किया जा सकता। अमरेंद्र को जमानत पर जेल से रिहा करने पर सरकारी गवाहों की जान को खतरा पैदा हो सकता है। वह सबूतों में हेराफेरी कर सकता है। इसके साथ ही मुंबई का स्थाई निवासी न होने से उसके भागने की भी संभावना है। हत्या अपराध की जांच प्राथमिक चरण में है। पुलिस इस समय अपराधी साजिश की गहन जांच कर रही है। ऐसी परिस्थिति में आरोपी को जमानत नहीं दे सकते हैं। ऐसा न्यायालय ने कहा है।

ठाणे की महिला यात्रियों पर निशाना! : टीएमटी की बसों में लगेगा आधा किराया

ठाणे : ठाणे मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर ने ठाणे मनपा के बजट में टीएमटी की बसों में सभी महिलाओं को ५० फीसदी और वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त यात्रा की घोषणा की थी, लेकिन इस योजना का लाभ केवल ठाणे में ही रहनेवाली महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को ही दिया जाएगा ऐसा परिवहन प्रशासन ने साफ कर दिया है। ठाणे में इस तरह का भेदभाव सामने आने के बाद महिलाओं ने नाराजगी जताई है। टीएमटी की बसों में यात्रा करनेवाली महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों से उनका आधार कार्ड मांगा जा रहा है, ताकि उनका पता देखकर उन्हें किराए में छूट दी जा सके। शिंदे गुट के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने बताया कि इस सुविधा का लाभ केवल मनपा सीमा क्षेत्र की महिलाओं को ही मिलेगा। ठाणे शिवसेना का गढ़ है, इसलिए चर्चा है कि यहां महिला मतदाताओं और वरिष्ठ नागरिकों को आकर्षित करने के लिए शिंदे गुट ने प्रशासन के साथ मिलकर बदलाव किया है। प्रतिदिन लगभग २,३०,००० यात्री टीएमटी परिवहन से यात्रा करते हैं। महिलाओं का अनुपात ४० फीसदी है जबकि करीब ९० हजार महिलाएं रोजाना यात्रा कर रही हैं। वरिष्ठजनों का अनुपात ५ से ७ प्रतिशत है। टीएमटी से ७ से ८ हजार वरिष्ठ नागरिक रोजाना यात्रा करते हैं। परिवहन सेवा में डिजिटल सिस्टम लागू किया जाएगा। पास की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी जिससे महिलाओं

या वरिष्ठ नागरिकों को बार-बार आधार कार्ड नहीं दिखाना पड़ेगा। ठाणे शहर के बाहर से सैकड़ों महिलाएं ठाणे में काम करने आती हैं। उन्हें सुविधा नहीं मिलेगी। इस बारे में ठाणे ट्रांसपोर्ट टीएमटी के मैनेजर भालचंद्र बेहरे का कहना है कि यात्रा रियायत का लाभ केवल महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को ही मिलेगा। उन्हें आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। इस रियायत का लाभ सिर्फ उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जिनके पास ठाणे के पते वाला आधार कार्ड होगा। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के कल्याण विधानसभा सहसंगठक रूपेश चंद्रकांत भोईर ने कल्याण डोंबिवली मनपा को पत्र लिखकर वरिष्ठ नागरिकों को मनपा की बसों में मुफ्त यात्रा करने की अनुमति देने की मांग की थी। इस मांग को मनपा आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने स्वीकार करते हुए शनिवार से वरिष्ठ नागरिकों को परिवहन सेवा के किराये में सौ फीसदी छूट देने की घोषणा की। इस बात की खबर मिलते ही रूपेश भोईर ने मनपा आयुक्त को धन्यवाद देते हुए कहा कि मनपा क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह निर्णय फायदेमंद साबित होगा।

चुनावी ड्यूटी पर ३०फीसदी अस्पतालकर्मी, स्वास्थ्य सेवाएं चरमराईं :मरीजों का हाल बेहाल

मुंबई : लोकसभा चुनाव कार्य के लिए मुंबई मनपा के पांच मेडिकल कॉलेजों और अन्य उपनगरीय अस्पतालों के लगभग ३० प्रतिशत कर्मचारियों को नियुक्त किया गया है। ऐसे में मुंबई मनपा अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं पर अभी से असर दिखाई देने लगा है और अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं चरमराने से मरीज बेहाल हैं, जबकि प्रशासन इसे लेकर अनदेखी कर रहा है। मराठा आरक्षण के लिए किए गए सर्वेक्षण के बाद सायन, नायर, कूपर, केईएम और उपनरीय अस्पतालों समेत स्वास्थ्य विभाग के लगभग ८०० कर्मचारियों को चुनाव कार्य के लिए नियुक्त किया गया है। इसमें प्रशासनिक कर्मचारियों के साथ-साथ निचले चिकित्सा कर्मचारी और तकनीशियन भी शामिल हैं। मनपा के एक वरिष्ट अधिकारी ने कहा कि केईएम अस्पताल के १३० कर्मचारी, सायन अस्पताल के ११० कर्मचारी, नायर अस्पताल के १०० कर्मचारी, कूपर अस्पताल के ३० कर्मचारी, नायर डेंटल कॉलेज के १०० कर्मचारी और स्वास्थ्य विभाग के २०० कर्मचारियों को चुनाव कार्य के लिए नियुक्त किया गया है। ऐसे में अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने का अनुमान है। अस्पताल के प्रयोगशाला तकनीशियनों को चुनाव कार्य में तैनात करने से मरीजों को रक्त, सीटी स्कैंन, एमआरआई रिपोर्ट मिलने में देरी हो रही है। इसके अलावा ऐसे संकेत भी हैं कि नर्सों की नियुक्तियों का सीधा असर

मरीजों की देखभाल पर पड़ेगा। साथ ही अस्पताल के प्रशासनिक कर्मचारियों की नियुक्ति के कारण प्रशासनिक कार्य भी प्रभावित होने की आशंका है। चुनाव आयोग के आदेशानुसार कर्मचारियों को चुनाव कार्य में भेजना अनिवार्य है। मुंबई मनपा के एक वरिष्ट अधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को चुनाव कार्य के लिए भेजते समय हम इस बात का ध्यान रख रहे हैं कि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों और मरीजों को परेशानी न उठानी पड़े।

ठाणे महानगरपालिका, ठाणे

जाहीर आवाहन

ठाणे महानगरपालिका पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव २०२४ मार्गदर्शक सूचना

केंद्रीय पर्यावरण वने व वातावरणीय बदल विभाग, मंत्रालय भारत सरकार यांच्यावतीने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने दिनांक १२ मे २०२० रोजी मुर्ती विसर्जनाबाबत मार्गदर्शक तत्वे प्रसिद्ध केलेली आहेत. त्यास अनुसरून महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने (Water Prevention & Control of Pollution Act 1974), तसेच मा. उच्च न्यायालयाने वेळोवेळी दिलेल्या निर्देशानुसार व तांत्रिकी समिती समवेत झालेल्या बैठकीनुसार महाराष्ट्राच्या सर्व महापालिकांनी / नगरपरिषद यांनी सणांच्या कालावधीच्या अगोदर व नंतर करण्याच्या कार्यवाहीसाठी पत्र क्र. MPCB/JDC(WPC)/B-2402 21-FTS-0088 दिनांक २१.०२.२०२४ नुसार निर्देश दिलेले आहेत. त्याप्रमाणे ठाणे महानगरपालिका क्षेत्रात गणेशोत्सव २०२४ च्या मार्गदर्शक सूचना जाहीर केलेल्या आहेत व त्यास मा. आयुक्त सो. यांनी ०७.०३.२०२४ रोजी मान्यता दिलेली आहे.

१. ठाणे महानगरपालिका क्षेत्रात मूर्ती या नैसर्गिक, पर्यावरणपूरक जैव विघटक पदार्थापासून तयार करण्यात येतील, ज्या प्लास्टिक, थर्माकोल, POP पासून मुक्त असतील. अशा मूर्तींना प्रोत्साहन दिले जाईल. Plaster of Paris पासून तयार करण्यात आलेल्या मूर्तींना बंदी असेल.

२. सर्व मूर्तीचे विसर्जन कृत्रिम तलावातच / रहिवासी संकुलातील टाकीमध्ये करणे अथवा मूर्ती स्विकृती केंद्रामध्ये देणे बंधनकारक आहे.

३. मूर्तीकारांना मूर्ती घडविण्यासाठी मंडप उभारण्यासाठी प्रभाग कार्यालयामार्फत परवानगी देण्यात येईल. सदर परवानगीची प्रत त्यांनी मंडपात दर्शनी भागात प्रसिद्ध करायची आहे. त्याची प्रभाग समिती पथकातर्फे पाहणी होईल, याची नोंद घ्यावी.

४. मूर्ती साठवणूकदारांनी देखील प्रभाग कार्यालयामार्फत परवानगी घेणे बंधनकारक राहील. सदर परवानगीची प्रत त्यांनी मंडपात दर्शनी भागात प्रसिद्ध करायची आहे. त्याची प्रभाग समिती पथकातर्फे पाहणी होईल, याची नोंद घ्यावी.

५. पर्यावरणपूरक साहित्य / शाडू मातीने मूर्ती घडविणाऱ्या मूर्तीकारांना यावर्षी प्रायोगिक तत्त्वावर उपलब्धतेनुसार महानगरपालिकेची जागा 'प्रथम येणाऱ्यास, प्रथम प्राधान्य' या तत्त्वावर निःशुल्क उपलब्ध करुन देण्यात येईल. त्यासाठी त्यांनी प्रभाग समिती कार्यालयाकडे दिनांक १५ एप्रिल २०२४ पर्यंत अर्ज करणे आवश्यक आहे. प्राप्त अर्जांची प्राधान्य क्रमानुसार छाननी करुन दिनांक ३० एप्रिल २०२४ पर्यंत ठामपाद्वारे उपलब्धतेनुसार जागा व शाडू माती निःशुल्क उपलब्ध करुन देण्यात येईल. ठामपातर्फे फक्त जागा देण्यात येईल. त्यासाठी आवश्यक असलेली शेड, विद्युत व्यवस्था, पाणी व्यवस्था मूर्तीकाराची राहील. शाडू माती ठामपाकडे साठवणूक केलेली असेल. मूर्तीकारांनी त्यांचे वहन करून त्यांच्या ठिकाणी घेवून जायची आहे.

६. पर्यावरणपूरक साहित्य / शाडू मातीने मूर्ती घडविणाऱ्या मूर्तीकारांनी जागेसाठी अर्ज केल्यास ते स्वतः मूर्तीकार असणे बंधनकारक आहे. तसे हमीपत्र त्यांनी सादर करणे आवश्यक आहे.

७. पर्यावरणपूरक साहित्य / शाडू मातीने मूर्ती घडविणाऱ्या मूर्तीकारांना या वर्षासाठी प्रायोगिक तत्त्वावर महानगरपालिकेतर्फे निःशुल्क उपलब्ध करुन देण्यात आलेली जागा, नवरात्री उत्सव समाप्तीपर्यंतच्या मर्यादीत कालावधीसाठी देण्यात येणार आहेत. सदर कालावधीच्या समाप्तीनंतर जागा पुनःश्च महानगरपालिकेच्या ताब्यात देण्यात यावी.

८. पर्यावरणपूरक साहित्य / शाडू मातीने मूर्ती घडविणारे मूर्तीकार / साठवणूकदार यांनी, ते 'शाडू माती / पर्यावरणपूरक साहित्याने मूर्ती घडविणार / साठवणार' असल्याबाबतचे हमीपत्र महानगरपालिकेला देणे बंधनकारक आहे.

९. पर्यावरणपूरक साहित्य / शाडू मातीने मूर्ती घडविणाऱ्या मूर्तीकारांनी त्यांच्या मंडपाबाहेर 'येथे पर्यावरणपूरक साहित्याने घडविलेल्या मूर्ती उपलब्ध आहेत' अशा आशयाचा ३ X ५ एवढ्या आकारमानाचा फलक लावणे बंधनकारक आहे.

१०. पूजा व उत्सव साजरे करण्या-या मंडळांनी उपरोक्त सूचविलेल्या पर्यावरणपूरक बाबीचा वापर करावा.

- रंगासाठी हळद, चंदन, गेरु यांचा वापर करावा.
- पुजेसाठी फुले, वस्त्र, इ. पूजा साहित्य पर्यावरणपुरक असावे.
- काच, धातूपासून बनविलेल्या ताट-वाट्यांचा वापर करावा.
- प्लेटसाठी केळी व इतर पानाच्या पत्रावळीचा वापर करावा. एकवेळ वापराचे प्लास्टिक प्लेट, प्लास्टिक साहीत्य वापरू नये.
- ठाणे महानगरपालिकेने परवानगी दिलेल्या मूर्तीकार/साठवूणकदार यांचेकडून पूजा व उत्सव मंडळाने मूर्ती प्राप्त करुन घ्याव्या.
- पूजा मंडळांनी ठाणे महानगरपालिकेकडून परवानगी घेऊन व मूर्ती विर्सजनाचा आराखडा देऊन एक महिना पूर्व-परवानगी प्राप्त करावी.

११. पर्यावरणपूरक साहित्य / शाडू मातीने मूर्ती घडविण्याचे / साठविण्याचे वेळोवेळी देण्यात आलेले निर्देश सन २०२४ च्या नवरात्र उत्सवादरम्यान देखील लागू राहतील व त्यासाठी स्वतंत्र निर्देश / परिपत्रक / जाहिरात देण्यात येणार नाही.

१२. सन २०२४ च्या सार्वजनिक उत्सावांसंदर्भात वेळोवेळी देण्यात आलेल्या निर्देशांचे उल्लंघन झाल्यास 'पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम १९८६ अन्वये, संबंधित कारवाईस पात्र ठरतील.

(मा. आयुक्त सो. यांच्या मान्यतेने)

ठामपा/पिआरओ/प्र.नि.क/१५६२/२०२३-२४

दि:१४.०३.२०२४

सही/-
अतिरिक्त आयुक्त - २
ठाणे महानगरपालिका,ठाणे

pls visit our official web-site
www.thanecity.gov.in

मनोरंजन केंद्र होगा वातानुकूलित, वरिष्ट नागरिकों को मिलेगी राहत

मीरा रोड : मीरा रोड स्थित 'भारत रत्न' इंदिरा गांधी अस्पताल अंतर्गत स्थित वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र को वातानुकूलित किया जाएगा. इस संबंध में कार्यादेश जारी किया गया है. आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली के पहल और प्रयासों से पर मीरा भायंदर मनपा ने यह निर्णय लिया है. इसके अलावा सभी वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र को भी चरणबद्ध तरीके से वातानुकूलित किया जाएगा. गलगली ने उपमुख्यमंत्री फडणवीस से वरिष्ठ

नागरिक मनोरंजन केंद्र को वातानुकूलित करने का अनुरोध किया था. जिसके बाद उन्होंने मनपा आयुक्त को कार्यवाही करने का निर्देश दिया था. आयुक्त संजय काटकर ने शीघ्र ही कार्रवाई के आदेश दिए और सार्वजनिक निर्माण विभाग के शहर अभियंता दीपक खांबित ने इसके कार्यादेश जारी किए हैं. बता दें कि इंदिरा गांधी अस्पताल के पिछले हिस्से की पहली मंजिल पर वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्र है. इस केंद्र का सामाजिक, शैक्षिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम में सराहनीय उपयोग होते रहता हैं. उक्त केंद्र के वातानुकूलित हो जाने से वरिष्ठ नागरिकों को काफी राहत मिलेगी. गलगली ने फडणवीस और आयुक्त को आभार व्यक्त किया है. शहर के अन्य सभी वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केंद्रों को भी चरणबद्ध तरीके से वातानुकूलित किए जाने की जानकारी मनपा प्रशासन ने दी है.

मिरा - भाईंदर महानगरपालिका

उद्यान विभाग

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भवन (नगरभवन) भाईंदर (प.) ता, जि. ठाणे - ४०११०१, दुरध्वनी - २८१८४५५३

जा.क्र. मनपा/उद्यान/२०३/२०२३-२४ दि.१५/०३/२०२४

// जाहीर निविदा सुचना //

मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील उदयान विभागामार्फत खालील कामाकरिता दोन लिफाफा पध्दतीने दि.२६/३/२०२४ रोजी दुपारी ०१.०० वाजेपर्यंत मोहरबंद निविदा मागविण्यात येत आहेत. सदर कामाची अटीशर्तीसह निविदा N.I.C. (National informatics Centre, Pune) च्या https://mahatenders.gov.in संकेत स्थळावर उपलब्ध असुन सदर निविदा फॉर्म दि. १८/३/२०२४ पासुन ते दि. २६/३/२०२४ रोजी दुपारी ०१.०० वाजेपर्यत (डाऊनलोड करून) भरता येतील. मुदतीत आलेल्या निविदा दि. २७/३/२०२४ रोजी दुपारी ०१.०० वाजता उपस्थित निविदाधारक अथवा त्यांचे प्रतिनिधी यांचे समक्ष निविदा सेल मिरा भाईंदर महानगरपालिका येथे उघडण्यात येतील.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित खर्च	इसारा रक्कम	फॉर्म फि (ना परतावा
१	मिरा भाईंदर महानगरपालिकेस क्षेत्रातील विविध उद्यानात ग्रीन स्पेस तयार करणे	Rs. 12,75,203/-	Rs. 12,752/-	Rs. 500/-, Rs. 90 - GST 18% - 590

टिप: १. निविदा दोन लिफाफा पध्दतीने सादर कराव्यात.
२. निविदा फॉर्म फि परत केली जाणार नाही.
३. आलेल्या निविदा मधील कोणतीही एक निविदा स्विकारण्याचा किंवा सर्वच निविदा नाकरण्याचा अधिकार महानगरपालिकेने राखुन ठेवलेला आहे. त्याबददल कोणतेही स्पष्टीकरण दिले जाणार नाही.
४. निविदा विधी ग्राहयता कालावधी १२० दिवसांचा असेल.

जा. क्र. मनपा/मावज/ई-१६६५८२६/२०२३-२४
दिनांक : १५/०३/२०२४

सही/-
(कल्पिता पिंपळे)
उप-आयुक्त (उद्यान)
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मनपा ने निकाली जर्जर इमारतों की सूचि

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड :मीरा-भायंदर महानगरपालिका ने शहर की खतरनाक इमारतों की सूची की घोषणा की है। इसमें ३७ इमारतों को बेहद खतरनाक घोषित किया गया है. इसमें मीरा रोड की १२ और भायंदर की १५ इमारतें शामिल हैं। मीरा-भायंदर महानगरपालिका हर साल मानसून से पहले अतिक्रमण विभाग द्वारा निरीक्षण के बाद शहर में जर्जर और अत्यधिक जर्जर इमारतों की सूची प्रकाशित करता है। इससे बरसात के मौसम में होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगेगी और कोई भी दुर्घटना नहीं होगी. सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाता है कि कोई प्रतिकूल घटना चव्हाण न घटे। सी-१ श्रेणी के अति जर्जर घोषित आवासविहीन भवनों को ध्वस्तीकरण के नोटिस जारी किए गए हैं। पिछले साल १६ इमारतों को सी-१ श्रेणी की जर्जर इमारतें घोषित किया गया था। इनमें से ९ को नगर निगम ने तोड.दिया है. शेष ७ भवनों के मामले न्यायालय में

विचाराधीन थे। इस साल जिन इमारतों को खतरनाक इमारत घोषित किया गया है. उस भवन पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है। इसके मुताबिक, अतिक्रमण विभाग प्रमुख नरेंद्र ने जानकारी दी है कि भायंदर पश्चिम में आनंद लक्ष्मी नाम की इमारत को हाल ही में ध्वस्त कर दिया गया है. लगातार निर्देश के बावजूद कई पुरानी हाउसिंग सोसायटी नगर निगम को अपनी बिल्डिंग की स्ट्रक्चरल रिपोर्ट नहीं सौंपती हैं। इसलिए इस मामले को गंभीरता से लेते हुए क्योंकि ३० साल या उससे अधिक पुरानी इमारतों की संरचना पर हमेशा बडा हादसा होने का डर बना रहता है। तुरंत रिपोर्ट करें प्रस्तुत करने के आदेश दिये गये हैं। यदि इस आदेश की अनदेखी की गई तो ऐसी इमारतों को सीधे जर्जर इमारतों की सूची में शामिल किया जाएगा, ऐसा उपायुक्त रवि पवार ने कहा है।

राष्ट्रवादी कार्यालय पर हुई तोडक कारवाई

प्रियंका भोसले

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के प्रभाग कार्यालय ४ की सहाय्यक आयुक्त प्रियंका भोसले ने अपनी निडरता का सबूत देते हुए उन्होने उनके कार्यक्षेत्र मे बने हुए अवैध बांधकाम के उपर हमेशा से ही कारवाई की है। लेकिन कल आचार संहिता लागू होते हुए ही जो उन्होने शिवसेना शिंदे गट के माध्यम से बनाये हुए कंटेनर शाखाओं पर कारवाई की है। उसके साथ ही उन्होने मौजे घोडबंदर सर्वे क्रमांक १०४ मे बने हुए कृष्णा पिराजी कांबले द्वारा बनाये गये अवैध राष्ट्रवादी कार्यालय जहा पर अवैध शिख कबाब बेचने की दुकान, मटन बिर्याणी बेचने की दुकान चालू की थी। उस पर भी कारवाई कि है। प्रियंका भोसले एक मिसाल है अवैध बांधकाम करने वालों के लिए जो अपने तेज निर्णय लेने की क्षमता की वजह से मीरा-भाईंदर के भूमाफिया और अवैध निर्माण करणे वालो के दिल में डर पैदा कर रही है। उन्होने सही वक्त का इंतजार करते हुए पत्रकार विनोद जोशी जो राष्ट्रवादी कार्यालय के अवैध निर्माण के खिलाफ मुख्य शिकायतकर्ता है। उनकी शिकायत पर इस अवैध निर्माण के उपर तोडक कारवाई करने के बाद ही दम लिया हैं। इस लिये पत्रकार विनोद जोशी मीरा-भाईंदर महानगरपालिका के आयुक्त तथा प्रशासक संजय काटकर, उपायुक्त अतिक्रमण विभाग रवी पवार, अतिक्रमण विभाग प्रमुख नरेंद्र चव्हाण और सहायक आयुक्त प्रियंका भोसले और इंजिनीयर चंचल ठाकरे, पिनाक, महेंद्र गावंड और उनके सहकार्मियों के सहयोग से कारवाई की गई.

भाईंदर में कानसिंह नरावत चौक का हुआ उद्घाटन

जेकेएस संवाददाता

भाईन्दर: भाजपा के ठाणे जिला उपाध्यक्ष, प्रताप सेना के संस्थापक कानसिंह नरावत जी की स्मृति मे केबिन रोड वेंकटेशनगर नाके पर बने चौक का अनावरण शहर की विधायक गीता भारत जैन, उत्तर भारतीयों के लाडले नेता बाबू चंद्रदेव सिंह (सी.डी) सिँह, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ट नेता रोहिदास पाटील, १४५ विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख एड रवि व्यास, स्टील एसोसिएशन के चेयरमैन राजेंद्र मित्तल, पूर्व नगरसेवक ओमप्रकाश गाडोड़िया, वरिष्ट कांग्रेसी नेता जवाहर भाई शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हरिओम शर्मा, श्री महाराणा प्रताप एकता मंच के अध्यक्ष सुरेन्द्र सिँह भाटी, के द्वारा बड़े उत्साह के साथ किया गया, चौक के उद्धाटन से पूजा कु पूरी रश्म नारावत परिवार एवं स्व. कानसिंह की धर्मपत्नी मोहन कुंवर, पुत्र डोंगर सिँह नारावत के द्वारा किया गया, समारोह के अंदर पूर्व नगरसेवक मुन्न सिंह, राकेश शाह, शिवप्रकाश भूदेका, पत्रकार देवेंद्र पोरवाल, एड.अनिल उपाध्याय, पी.एल.चतुर्वेदी, शेषमणि यादव, एड.दिलीप पंडित, सरस्वती विद्यालय के प्राचार्य गिरीश पंड्या, युवा भाजपा जिला महामंत्री करणी चारण, शिवसेना (उ.बा.ठा.) के जिला समन्वयक राजस्थान सेल छगन सुथार, डा ल. कमलेश दहिया, भाजपा नेता अभिषेक भटेवडा, शिखा भटेवड़ा, उत्तम पुरोहित, की उपस्थिति में संपन्न हुआ, चौक को मंजूरी दिलाने में स्थानीय विधायक गीता भारत जैन, शहर अभियंता दीपक खाबित, कार्यकारी अभियंता नितिन मुकणे, मनपा सचिव वासुदेव शिरवलकर विशेष योगदान रहा, कार्यक्रम मे आये सभी अतिथियो का बहुमान कानसिंह नरावत के सुपुत्र डोंगर सिँह नारावत ने किया! कानसिंह नारावत से जुड़े संस्मरण सभी वक्ताओ ने कहे.!

आपसी विवाद को लेकर पती ने किया पत्नी पर वार

मीरारोड. एक नेपाली पति द्वारा उसके पत्नी को चाकू से वार कर फिर खुद को भी जख्मी कर लेने की घटना मीरा रोड के नया नगर परिसर में घटित हुई है. दोनों की स्थिति गंभीर है और उन्हें इलाज के लिए नया नगर पुलिस ने शताब्दी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. नया नगर पुलिस थाने के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक विलास सूपे के अनुसार मुकेश सिंह नामक नेपाली युवक नया नगर के स्नेहा सदन वॉचमैन में की नौकरी करता है. शुक्रवार दोपहर को १२ बजे के आसपास मुकेश के चाचा निलेश सिंह और चाची वीना वडाला सिंह से मीरारोड मुकेश के पास आए थे. जब मुकेश किसी कार्य से बाहर गया हुआ था, उसी दौरान किसी वाद विवाद की वजह से निलेश सिंह ने अपनी पत्नी वीना सिंह को सब्जी काटने वाली चाकू से हमला कर घायल कर दिया और खुद को भी घायल कर लिया. निलेश सिंह शराब का आदि था और अक्सर शराब के नशे में रहता था. पुलिस ने चाकू को जब्त कर निलेश सिंह के खिलाफ भादवि की धारा ३०७ के तहत मामला दर्ज किया है.

मोहन मधुकर पाटील फरार खिचड़ी स्कैम घोटाले में

भायंदर: स्थानीय आगरी समाज की प्रसिद्ध अभिनव शेतकरी शिक्षण मंडल में खिचडी, डिजिटल आइडेंटिटी कार्ड और कंप्यूटर मरम्मत के नाम पर करीब ६ करोड.रुपए का स्कैम (घोटाला) करने वाले लिपिक प्रशांत पाटील ने आखिर आर्थिक अपराध शाखा ठाणे के समक्ष सरेंडर (आत्म समर्पण) कर दिया है. जबकि इस पूरे स्कैम के सूत्रधार पूर्व कार्याध्यक्ष मोहन मधुकर पाटील अभी फरार हैं. ऐसी जानकारी मंडल के अधिवक्ता तरुण शर्मा ने पत्रकार परिषद के दौरान दी. शर्मा ने बताया कि पाटील के इस भ्रष्टाचार के कारण अभिनव शेतकरी शिक्षण मंडल को काफी क्षति हुई है और मंडल का नाम खराब हुआ है. जिसकी वजह से इस शिक्षण संस्था में एक समय १५ से १८ हजार विद्यार्थी शिक्षण लेते थे और आज उनकी संख्या घटकर २ से ३ हजार पर आ गई है. अभिनव शेतकरी शिक्षण मंडल का वर्तमान में कामकाज देख रही कमेटी सदस्यों अमोल पाटील, अशोक पाटील, मंगेश पाटील, शैलेश पाटील, चिंतामणि पाटील, उमा पाटील, विकास म्हात्रे, राजू म्हात्रे, कैलाश पाटील आदि के उपस्थिति में अधिवक्ता तरुण शर्मा ने बताया कि पूर्व कार्याध्यक्ष मोहन पाटील के कार्यकाल के दौरान उनके साथ-साथ उनके सहयोगियों पर भ्रष्टाचार और अवैध प्रबंधन के आरोप लगे थे. इसके बाद पाटील ने मुंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और १० अप्रैल २०१९ को गिरफ्तारी पूर्व जमानत के लिए आवेदन किया. इस आवेदन के बाद पाटील के वकील ने अलग-अलग कारण बताकर ३२ बार तारीख लिया. इस प्रकरण में धीरे-धीरे ४ वर्ष ९ माह बीत जाने और न्याय में हो रही देरी को देखते हुए मोहन पाटील के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील दाखिल की गई थी.

बढती जनसंख्या के चलते परिवहन सेवा ने की बसों की बढोत्तरी

मीरा रोड: मीरा भायंदर नगर परिवहन सेवा में ७४ डीजल बसें उपलब्ध हैं। नई खरीदी जा रही ५७ इलेक्ट्रिक बसों में से २० इलेक्ट्रिक बसें परिवहन सेवे में आ गई हैं। २० इलेक्ट्रिक बसों में से १० को पहले ही विभिन्न पुराने नए बस मार्गों पर पेश किया जा चुका है। शेष १० बसें भी नए बस रूट पर भायंदर शहर की जनसंख्या बढ़ती जा रही है और इस बढ़ती जनसंख्या के अनुसार नागरिकों को बस सुविधा प्रदान करने के लिए परिवहन विभाग में बसों की संख्या बढाना आवश्यक था। केंद्र सरकार के वायु गुणवत्ता सुधार के अनुसार योजना के तहत ५७ इलेक्ट्रिक बरों ली गई हैं। इनमें से २० बसें आ चुकी हैं, जबकि अप १०० बस योजना के तहत नगर निगम को उपलब्ध कराई जाएंगी। अगर कुछ महीनों हो जाती हैं, तो नगर निगम का कहना है कि वह शहर के नागरिकों को अच्छी परिवहन सेवाएं प्रदान कर सकेगा. नई ई-बसें १४ मार्च से नए बस मार्गों पर पायलट आधार पर शुरू की गई हैं। इस बस में स्ट नं. ५ भयंदर स्टेशन (डब्ल्यू) स्टेशन से काशीमीरा नाका (६० फीट रोड, मैक्स मॉल के माध्यम से) (वर्तमान में सडक़ कार्यों के कारण पुलिस स्टेशन के माध्यम से) बस रूट नंबर २० भयंदर स्टेशन (पश्चिम) से मोरया चाट (गैक्सेस मॉल के माधाम से) यस रूट नंबर २५ मीरा रोड स्टेशन पूर्व से काशीमीरा नाका (सृष्ठि, शांति गार्डन, मीरागांव, सुखद पार्क के माध्यम से), बस नंबर २८ मीरा रोड.स्टेशन पूर्व से भयंदर स्टेशन (पूर्व) (वाया बालासाहेव ठाकरे मैदान, इंद्रलोक पुलिस चौकी), साथ ही पहले लॉन्च किया गया. बस कप्ट नं. २३वां भयंदर ईस्ट स्टेशन से पेनकरपाडा तक, इस बस रूट को पेनकारपाडा से बोरीवली नेशनल पार्क तक बढा दिया गया है। नये शुरू किये गये बस रूट के कारण कुल २४ कर भगर निगम परिहन सेवा संचालित होंगी. शहर के नागरिक भायंदर स्टेशन (पश्चिम), मीरा रोड स्टेशन (पूर्व), भायंदर स्टेशन (पूर्व), से सेवाएँ प्राप्त कर सकर्त काशीमीरा, दहिसर मेट्रो स्टेशन, बोरीवली राष्ट्रीय उद्यान आदि। स्थानों पर जाना लाभदायक रहेगा।

वर्तमान में, परिवहन सेवा की बसों का उपयोग करने वाले यात्रियों की संख्या एक दिन में ९७,००० जा पहुंच गई है, और नगर निगम परिवहन पहल का इरादा प्रतिदिन १,२५,००० यात्रियों को परिवहन करने का है, अतिरिक्त आयुक्त और पक नई इलेक्ट्रिक १२ मीटर वातानुकूलित बस मिलने के बाद मीरा रोड, भायंदर से मुंबई हवाई अहे के माध्यम से बांद्रा (बीकेसी) तक यस मार्ग शुरू करने का प्रस्ताव है। आयुऊ एवं प्रशासक संजय ने नागरिकों से परिवहन सेत्रावर अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है काटकर ने किया।

जनता की सुविधा के लिए भाईंदर-विरार समुद्री रास्ता का हुआ ऐलान

मुंबई: मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) ने वर्सोवा-विरार सी ब्रिज बनाने का फैसला किया है, लेकिन अब सीधे समुद्री पुल का एलाइनमेंट बदलकर वर्सोवा-विरार कर दिया गया है। वर्सोवा-विरार समुद्री पुल के बजाय अब उत्तन (भायंदर)-विरार समुद्री पुल का निर्माण एमएमआरडीए द्वारा किया जाएगा। मुंबई में भीड.कम करने और हाई- स्पीड यात्रा की सुविधा के लिए सी ब्रिज और सी कोस्ट रोड का निर्माण किया जा रहा है। महानगरपालिका प्रिंसेस स्ट्रीट फ्लाईओवर-बांद्रा-वर्ली समुद्री पुल के दक्षिणी छोर पर एक समुद्री पुल का निर्माण कर रही है,

जबकि महाराष्ट्र राज्य सडक़ विकास निगम (एमएसआरडीसी) बांद्रा-वर्सोवा समुद्री पुल का निर्माण कर रहा है। इस समुद्री पुल को एमएमआरडीए द्वारा वर्सोवा-विरार और आगे पालघर तक बढाया जाना था। इसके लिए एमएमआरडीए की ओर से एक योजना तैयार की जानी थी। इस बीच नगरपालिका ने १६,६२१ करोड.रुपए की लागत से वर्सोवा से दहिसर, भायंदर तक २२ किलोमीटर लंबी तटीय सडक़ बनाने का फैसला किया है और इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कुत्तों के टीकाकरण के लिए मनपा ने कसी कमर

जेकेएस संवाददाता

भायंदर : मीरा भायंदर मनपा से जुडे.पशु चिकित्सा विभाग ने शहर में रेबीज-मुक्त मुहिम अंतर्गत ७,९९३ सडक़ के आवारा कुत्तों का टीकाकरण किया है। मनपा के सभी प्रभागों में आवारा कुत्तों को मुफ्त में टीका लगाने का सात दिवसीय अभियान २४ फरवरी से १ मार्च के बीच चलाया गया था। जिसमें एमबीएमसी ने २० हजार कुत्तों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा था। पशु कल्याण संगठनों और एमओए के सहयोग से यह मुहिम विश्वव्यापी पशु चिकित्सा सेवा (वर्ल्ड वेटरनेटी सर्विसेज) की विशेषज्ञ टीम के माध्यम से यह रेबीज मुक्त मुहिम आयोजित किया गया था । सप्ताह भर चलने वाले अभियान में मीरा भायंदर शहर के विभिन्न हिस्सों में मुहिम के तहत पहुंचाने के लिए डब्ल्यूवीएस से ६ और एमबीएमसी से ३ प्रशिक्षित टीकाकरणकर्ताओं, डेटा संग्रहकर्ताओं और पशु हैंडलर स्वयंसेवकों सहित ९ टीमों को तैनात किया गया था। मुहिम के दौरान ग्लोबल पोजिशन सिस्टम (जीपीएस) और प्रत्येक कुत्ते के टीकाकरण की तस्वीरों सहित विवरण दर्ज किए गए। आसान पहचान के लिए टीका लगाए गए कुत्तों को भी चिह्नित किया गया। एमबीएमसी और डब्ल्यूवीएस द्वारा मीरा भायंदर शहर में क्रमश: ३,९६९ और ४,०२४ आवारा कुत्तों को एंटी-रेबीज टीके लगाए गए। जबकि हमारे नए खुले पशु चिकित्सालय में टीकाकरण की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जबकि हमारी टीमों में से एक टीम अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा करना जारी रखेगी। हम इस तरह की और भी टीकाकरण की मुहिम चलाने की भी योजना बना रहे हैं। आने वाले महीनों में इस तरह के और अभियान चलाए जाएंगे.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI